सोमवार, 13 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

यास्तिका भाटिया ने रच दिया इतिहास

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

40 मिलियन व्यूज पार करते ही यश ने विशाल मिश्रा पर लुटाया प्यार

Page-05

आदित्य ठाकरे ने भाजपा को आड़े हाथों लिया

शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी और समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा, "हम भगवान राम की रक्षा भाजपा से कर रहे हैं। भाजपा अब 'बाबर जनता पार्टी' बन चुकी है। भाजपा कथित राम मंदिर लूट से देश का ध्यान भटकाने के लिए ही समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। आइए यूसीसी पर उसके गुणों के आधार पर बहस करें, और हम इसका समर्थन करेंगे। सुप्रीम कोर्ट को राम मंदिर में हुई इस कथित लूट की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।" अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के खिलाफ उद्धव ठाकरे ने 5 जुलाई को 'राम रक्षा' आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग इस समय सत्ता में बैठे हैं। आंदोलन के तहत उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर में स्थित हनुमान मंदिर में 'हनुमान स्तोत्र' और 'हनुमान चालीसा' का पाठ किया। इसके बाद मंदिर के बाहर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। भगवा रंग का कुर्ता पहने उद्धव ठाकरे ने साफ कहा कि अगर कोई हिंदुत्व का गलत इस्तेमाल करके मंदिर को लूटेगा, तो देश के हिंदू उसे कभी माफ नहीं करेंगे।

कांग्रेस का मोदी सरकार पर हमला

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता बेहद जरूरी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि कथित चढ़ावा गड़बड़ी का मामला सामने आए एक महीना बीत चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के नाम पर राजनीति करने वाले लोग अब जवाब देने से बच रहे हैं। जयराम रमेश ने कहा कि देश की जनता आस्था के साथ किसी भी तरह के खिलवाड़ को स्वीकार नहीं करेगी और इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए।कांग्रेस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी का दावा है कि एसआईटी की जांच में भी चढ़ावे से प्रतिदिन लाखों रुपये के कथित गायब होने की बात सामने आई है। कांग्रेस का आरोप है कि जांच को केवल कुछ कर्मचारियों तक सीमित रखने की कोशिश की जा रही है, जबकि वास्तविक जिम्मेदार लोगों तक कार्रवाई नहीं पहुंच रही। पार्टी ने पूरे मामले का फॉरेंसिक ऑडिट कराने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई है।इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को देशभर के 26 शहरों में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। पार्टी नेताओं ने कहा कि संसद के आगामी सत्र में भी यह मामला प्रमुखता से उठाया जाएगा और सरकार से जवाब मांगा जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि एसआईटी की मौजूदा रिपोर्ट पूरे मामले की केवल एक कड़ी है और व्यापक जांच के बिना सच्चाई सामने नहीं आ सकती।वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। भाजपा का कहना है कि चढ़ावा चोरी के मामले में यदि कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भाजपा ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जो राजनीतिक दल पहले राम मंदिर निर्माण का विरोध करते रहे, वे अब इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाकर हिंदुओं की आस्था को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है और राजनीतिक बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है।

विनायक राउत के परिवार के खिलाफ बहू ने सनसनीखेज आरोप लगाए

उद्धव ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राउत के परिवार के खिलाफ उनकी बहू गिरिजा राउत ने शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना और अंधविश्वास से जुड़े कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। बहू की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है। विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत का आरोप है कि उनके पति को बांझपन की समस्या थी। इस बात को लेकर उनके ससुराल वालों ने उन्हें तांत्रिकों के पास जाने के लिए मजबूर किया। अंधविश्वास के नाम पर उनके बाल नोचे गए और उन्हें जबरन गौमूत्र पीने पर मजबूर किया गया। गिरिजा ने अपने बयान में कहा, "मुझे पिछले सात सालों से सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। ससुराल वालों ने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, मुझ पर हमले किए और मुझे बार-बार भूखा रखा गया। परिवार के मुखिया होने के बावजूद विनायक राउत ने कभी भी मेरी बात नहीं सुनी।" गिरिजा राउत की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने पूर्व सांसद विनायक राउत, उनकी पत्नी, उनके पार्षद बेटे गीतेश राउत और दो तांत्रिकों के खिलाफ अंधविश्वास विरोधी कानून व घरेलू हिंसा के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शिकायत में नामजद दो तांत्रिकों फिरोज और काजी में से एक तांत्रिक बाबा फिरोज शेख को गिरफ्तार कर लिया है। गिरिजा और आरोपी शेख दोनों कोर्ट में पेश भी हुए। शिकायत के मुताबिक, ससुराल वालों ने फिरोज शेख से जबरदस्ती काला जादू करवाया था।

अरविंद केजरीवाल ने चंदा चोरी के खिलाफ देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू किया

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अयोध्या के राम मंदिर में हुई कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इस चोरी के मामले में शामिल बड़े लोगों को सजा देने के बजाय उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क से आम आदमी पार्टी के एक बड़े देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। इस कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड के पाठ से की गई। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "देश के लोगों को यह उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री किसी भी चोर को नहीं बख्शेंगे और उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे। लेकिन पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी हुआ है, उससे ऐसा साफ लग रहा है कि चोरों और डकैतों को बचाने की कोशिशें की जा रही हैं।" केजरीवाल ने आगे आरोप लगाया कि अयोध्या में जमीन के कथित घोटाले या मंदिर निर्माण के काम में हुए कमीशन के खेल की कोई असली जांच नहीं की गई। उन्होंने सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए

कहा कि इस मामले में बनाई गई एसआईटी और दर्ज की गई एफआईआर महज एक दिखावा है, ताकि असली जिम्मेदार लोगों को बचाया जा सके। उन्होंने दावा किया, "जमीन घोटाले और मंदिर निर्माण के काम में जो कमीशनखोरी हुई है, उसकी कोई जांच नहीं की जा रही है। चंदा चोरी की जो छोटी-मोटी जांच हुई, उसके लिए एक नकली एसआईटी बनाई गई और एक नकली एफआईआर दर्ज की गई। देश के लोगों को अब यह भरोसा नहीं रहा कि प्रधानमंत्री इस मामले में कोई कड़ी कार्रवाई करेंगे।" केजरीवाल ने अपने संबोधन में एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के भीतर 40 दिनों के अंदर चोरी की 70 घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सच को छुपाने के लिए वहां की आठ महीने पुरानी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को भी कथित रूप से डिलीट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम लगातार इस मामले में कार्रवाई की मांग करते रहे और हमें लगा कि केंद्र में बैठे लोग कुछ कदम उठाएंगे। लेकिन अब यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि वे कुछ नहीं करेंगे, क्योंकि इस मामले में उनकी अपनी पार्टी और उनसे जुड़े संगठनों के लोग शामिल हैं। आज पूरा सरकारी सिस्टम चोरों को बचाने में लगा हुआ है।

35 करोड़ पेड़ या 350 करोड़ का 'भ्रष्टारोपण' –अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार के वृक्षारोपण अभियान पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा के लिए 'वृक्षारोपण' असल में 'भ्रष्टारोपण' का कार्यक्रम बन चुका है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ही 'एक पेड़ मां के नाम' महा अभियान की शुरुआत की है, जिसके तहत राज्य में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने इस अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा, "यह 35 करोड़ पेड़ लगाने की बात नहीं है, बल्कि हर पेड़ से कम से कम 10 रुपये यानी कुल 350 करोड़ रुपये कमाने की भाजपा की गुप्त योजना है। जिन्होंने भगवान का दरबार नहीं छोड़ा, वे बाग-बगीचे क्या छोड़ेंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में हर विभाग और हर काम में लूट मची है और योजनाएं सिर्फ भ्रष्टाचार करने के लिए बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 10 सालों में सिर्फ कागजों पर ही पेड़ लगाए हैं, जमीन पर कोई पेड़ नहीं दिखता। जो थोड़े-बहुत पेड़ कहीं लगे भी, वे पानी न मिलने के कारण सूख गए।

दतिया उपचुनाव: टिकट कटने पर नरोत्तम मिश्रा का छलका दर्द

मध्यप्रदेश के दतिया में होने वाले उपचुनाव के लिए सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को टिकट न मिलने के बाद हुए बवाल के बाद पार्टी डैमेज कंट्रोल करने में जुटी हुई है। इसी बीच दिल्ली में रविवार को नरोत्तम मिश्रा ने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते वक्त नरोत्तम मिश्रा एक सवाल के जवाब में ऐसा कुछ कह गए जिससे टिकट कटने का उनका दर्द बयां हो गया। नरोत्तम मिश्रा से जब मीडियाकर्मी ने पूछा कि आप मध्यप्रदेश में इस तरह की चर्चाएं चल रही हैं कि नरोत्तम मिश्रा का बड़ा कद उनकी टिकट कटने का कारण बन गया क्योंकि अब मध्यप्रदेश में कोई और बड़ा नेता नहीं चाहता था? इसके जवाब में नरोत्तम मिश्रा ने कहा- ये तो तय हो गया कि कद बड़ा नहीं है, टिकट नहीं मिला न। तो आपका जवाब तो इसी में है और पार्टी बहुत ऊपर होती है, हमसे ज्यादा दूर तक देख सकती है, वो वहां है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने जिसे टिकट दिया है, सब उसे सिर माथे पर रखेंगे, उसका काम करेंगे। नरोत्तम मिश्रा ने ये भी कहा कि टिकट कटने का क्षणिक आवेश आया था जो अब शांत हो चुका है। इससे पहले शनिवार देर शाम को भोपाल में नरोत्तम मिश्रा ने सीएम मोहन यादव, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल से सीएम हाउस में मुलाकात की थी। इस दौरान सभी नेताओं के बीच विचार विमर्श व बातचीत हुई थी। इस मुलाकात के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मुलाकात की है। नरोत्तम मिश्रा हमारी पार्टी के वरिष्ठ व सम्मानित नेता हैं। उनके मार्गदर्शन में हम दतिया उपचुनाव लड़ेंगे और भारी बहुमत से जीतेंगे। इस दौरान हेमंत खंडेलवाल ने दतिया में हुए पदाधिकारियों के इस्तीफे को लेकर कहा था कि मुझे किसी भी कार्यकर्ता का इस्तीफा नहीं मिला है। पार्टी संगठन ने तय किया है कि किसी भी कार्यकर्ता का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हॉर्मुज पर अमेरिका का सख्त संदेश

'जलमार्ग सभी के लिए खुला, ईरान का कोई नियंत्रण नहीं'

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग सभी देशों के लिए खुला है और नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।अमेरिका ने ईरान के नियंत्रण संबंधी दावों को खारिज करते हुए कहा कि उसकी नौसेना क्षेत्र में तैनात है और वैध समुद्री यातायात जारी रहेगा।

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान को कड़ा संदेश दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (यूएस सेंटकॉम) ने स्पष्ट कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य सभी देशों के वैध समुद्री यातायात के लिए खुला है और अमेरिकी नौसेना अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान की ओर से विदेशी जहाजों की निगरानी, रोक-टोक और हॉर्मुज पर नियंत्रण संबंधी दावों ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है।यूएस सेंटकॉम ने सोशल मीडिया पर जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि जो भी जहाज अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हॉर्मुज से गुजरना चाहते हैं, उनके लिए यह मार्ग खुला रहेगा। अमेरिकी सैन्य बल क्षेत्र में तैनात हैं और समुद्री यातायात को सुरक्षित बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार हैं। अमेरिका ने ईरान की हालिया गतिविधियों को "अनावश्यक आक्रामकता, उत्पीड़न और मनमाने दावे" करार दिया है।अमेरिकी कमांड ने ईरानी नौसेना के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें कहा गया था कि हॉर्मुज से गुजरने वाला कोई भी विदेशी जहाज ईरानी सेना की पहचान, ट्रैकिंग और निगरानी के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। अमेरिका ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने के लिए उसकी नौसेना लगातार सक्रिय है और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को बाधित नहीं होने दिया जाएगा।ईरान लंबे समय से यह संकेत देता रहा है कि यदि उसके हितों को नुकसान पहुंचा तो वह हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का विकल्प अपना सकता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के अनुसार हॉर्मुज एक वैश्विक जलमार्ग है और किसी एक देश का इस पर एकाधिकार नहीं हो सकता। इसी कारण अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने बार-बार यह दोहराया है कि अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होने दी जाएगी।अमेरिकी नौसेना का दावा है कि हाल के दिनों में क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही सामान्य बनी हुई है। तेल टैंकर और मालवाहक जहाज निर्धारित मार्गों से बिना किसी बड़े व्यवधान के गुजर रहे हैं। हालांकि सुरक्षा कारणों से समुद्री निगरानी और सैन्य गतिविधियों में वृद्धि की गई है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके।स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। वैश्विक स्तर पर समुद्री मार्ग से होने वाले तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यदि यहां किसी प्रकार की नाकेबंदी या सैन्य टकराव होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर तेल आयात करते हैं। ऐसे में हॉर्मुज की सुरक्षा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय बनी हुई है।

चीन के लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया

चीन के लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण ने एक बार फिर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने न्यूक्लियर पावर वाली सबमरीन से डमी वॉरहेड वाली लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण दक्षिण प्रशांत महासागर में किया है। हालांकि, चीन ने इसे सैन्य अभ्यास का हिस्सा बताया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और ताइवान समेत कई देशों ने इस पर गंभीर चिंता जताई है। यूरोपियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के परीक्षण के बाद दलाई लामा के भतीजे खेदरूब थोंडुप ने कहा कि चीन का यह परीक्षण केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि एक स्पष्ट भू-राजनीतिक संदेश है। उनके अनुसार, जिस दिन ऑस्ट्रेलिया और फिजी ने रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, उसी दिन दक्षिण प्रशांत परमाणु-मुक्त क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण कर चीन ने अपने रणनीतिक इरादों का संकेत दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मिसाइल JL-3 थी, जो अमेरिका तक मार करने में सक्षम है। इससे टेस्टिंग से चीन अपनी ताकत दिखाना चाहता है। रिपोर्ट के अनुसार, मिसाइल उस क्षेत्र में गिरी जिसे 1986 की रारोटोंगा संधि (Treaty of Rarotonga) के तहत दक्षिण प्रशांत परमाणु-मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया था। यानी कि यहां कोई भी देश न्यूक्लियर फ्री जोन में परीक्षण नहीं कर सकता है। चीन ने 1987 में इस संधि से जुड़े प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए थे। फिर भी उसने टेस्टिंग किया। जापान ने चीन से इस तरह की गतिविधियों पर पुनर्विचार करने की अपील करते हुए गंभीर चिंता जताई है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने इसे क्षेत्र की स्थिरता के लिए अस्थिर करने वाला कदम बताया, जबकि न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि चीन की यह कार्रवाई बेहद चिंताजनक है।

अमित शाह ने साबरमती रिवरफ्रंट पर 'हेरिटेज' पार्क का वर्चुअल उद्घाटन किया

हरित भविष्य के लिए हर परिवार लगाए एक पौधा: शिवराज सिंह चौहान

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरित भविष्य के निर्माण के लिए देश में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान शुरू करने का रविवार को आह्वान किया है। नयी दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण संकल्प' और 'वृक्ष मित्र संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रत्येक परिवार को जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्म और दिवंगत माता-पिता की स्मृति जैसे अवसरों पर पौधारोपण करना चाहिए। इससे हर व्यक्तिगत अवसर को 'वृक्ष उत्सव' में बदला जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक 'वृक्ष मित्र' से हर साल कम से कम एक पेड़ लगाने और पांच अन्य लोगों को इस अभियान से जोड़ने की अपील की।चौहान ने कहा कि प्रतिभागी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिबद्धता साझा करें, ताकि 12 अगस्त को 'हरियाली अमावस्या' तक देशभर में एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा सके। मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को एक संगठित जन अभियान का स्वरूप देने के लिए व्यापक कार्ययोजना भी जारी की। यह योजना वृक्ष मित्रों के साथ हुई बातचीत और उनके सुझावों के आधार पर तैयार की गई है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने राष्ट्रीय, राज्य, जिला, खंड और ग्राम स्तर पर 'वृक्ष मित्र परिवार' समितियों के गठन का प्रस्ताव रखा, ताकि इस अभियान को संस्थागत ढांचा मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी योजना और कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत होने वाले कार्यक्रमों में पौधा रोपण को शामिल किए जाने की बात कही।

ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे सीनियर सीनेटर लिंडसे ग्राहम निधन हो गया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे सीनियर सीनेटर लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम को निधन हो गया। इस बात की जानकारी रविवार को उनके कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी गई। उनके कार्यालय ने बताया कि सीनेटर ग्राहम का निधन अचानक हुई एक बीमारी की वजह से हुआ है। सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कार्यालय ने बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा, "इस दुखद समय में सीनेटर ग्राहम का परिवार सभी की प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देता है। हमारी अपील है कि इस मुश्किल घड़ी में परिवार की प्राइवेसी का सम्मान किया जाए और उसे बनाए रखा जाए।"

निधन से पहले सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक ऐसे कानून को पास करवाने की तैयारी में जुटे थे, जिसका सीधा असर भारत पर पड़ने वाला था। इस बिल में रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर भारी-भरकम जुर्माना यानी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। भारत भी रूस से तेल खरीदता है, इसलिए इस बिल का असर भारत पर भी होता। इस मांग को लेकर ग्राहम का ट्रंप प्रशासन के साथ समझौता भी हो गया था, लेकिन बिल पास होने से पहले ही उनका निधन हो गया। दक्षिण कैरोलिना के रहने वाले लिंडसे ग्राहम साल 2002 में पहली बार अमेरिकी सीनेट के सदस्य चुने गए थे। इसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और उन्होंने साल 2008, 2014 और 2020 के चुनावों में भी लगातार शानदार जीत हासिल की। साल 2008 के आम चुनाव में वे अपने राज्य दक्षिण कैरोलिना में 10 लाख से ज्यादा वोट पाने वाले पहले राजनेता बने थे।

10 भारतीय सुरक्षित, 1 लापता

ईरान-अमेरिका के बढ़ते तनाव के बीच

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने अब पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत की भी चिंता बढ़ा दी है। इस महायुद्ध का सीधा असर अब भारतीयों पर भी देखने को मिल रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के हमले का शिकार बने साइप्रस देश के झंडे वाले व्यापारिक कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी (GFS Galaxy) पर भारतीय चालक दल भी सवार था। भारत सरकार ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताया है और पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद भारत के 10 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अब भी लापता है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, "सरकार इस पूरे मामले पर लगातार अपनी नजर बनाए हुए है और इससे जुड़े देशों के साथ लगातार बातचीत कर रही है। हमारे भारतीय मिशन प्रभावित चालक दल की सुरक्षा पक्की करने और लापता भारतीय नागरिक की तलाश करने की कोशिशों में जुटे हैं। क्षेत्र में बढ़ता यह सैन्य तनाव पूरी दुनिया की समुद्री सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।" अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, जब जीएफएस गैलेक्सी जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहा था, तभी ईरान ने उस पर निशाना साध कर हमला कर दिया। इस हमले की वजह से जहाज के इंजन रूम को बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव काम शुरू करके चालक दल के कई सदस्यों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक भारतीय क्रू मेंबर का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी दुनिया के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक रास्तों में से एक है। दुनिया भर में सप्लाई होने वाले कच्चे तेल और गैस का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में होने वाला कोई भी सैन्य तनाव न केवल इस क्षेत्र को बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ईंधनों की सप्लाई को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। इस बीच, अमेरिका ने ईरान पर आज तीसरे दौर की सैन्य कार्रवाई पूरी की, लेकिन ईरान ने भी पीछे हटने से साफ मना कर दिया है। ईरान लगातार इन हमलों का जवाब दे रहा है और उसने ओमान, कतर व बहरीन जैसे खाड़ी देशों में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। बढ़ते तनाव के बीच, ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने ओमान के दुकम बंदरगाह पर स्थित अमेरिकी विमानवाहक जहाजों की मदद करने वाले और ईंधन भरने वाले प्लेटफार्म पर भारी हमला किया है।

संपादक की कलम से

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के कार्यकाल की पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव बन गए हैं। लोकतंत्र में उपचुनाव केवल रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे राजनीतिक दलों की संगठनात्मक क्षमता, नेतृत्व की स्वीकार्यता और जनता के बीच उनके भरोसे की भी परीक्षा लेते हैं।दतिया में पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर नए चेहरे को मौका देने के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि पार्टी नेतृत्व पीढ़ीगत बदलाव का संदेश देना चाहता है। हालांकि, किसी भी बड़े दल के लिए बदलाव की प्रक्रिया तभी सफल मानी जाती है, जब वह वरिष्ठ नेताओं के सम्मान और कार्यकर्ताओं की भावनाओं के बीच संतुलन बना सके। दतिया में सामने आई नाराजगी ने यही संकेत दिया कि संगठन के भीतर संवाद की कमी राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है।दूसरी ओर, बांकीपुर में उम्मीदवार बदलने का फैसला विपक्ष के लिए राजनीतिक मुद्दा बन गया है। चुनावी राजनीति में उम्मीदवार की विश्वसनीयता और पार्टी की निर्णय प्रक्रिया दोनों ही मतदाताओं को प्रभावित करती हैं। यदि किसी निर्णय को लेकर बार-बार स्पष्टीकरण देना पड़े, तो विपक्ष को हमले का अवसर मिल जाता है। ऐसे में चुनाव प्रचार केवल विकास और नीतियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि संगठनात्मक फैसले भी बहस का केंद्र बन जाते हैं।इन दोनों उपचुनावों का परिणाम केवल दो विधानसभा सीटों तक सीमित नहीं रहेगा। यह इस बात का भी संकेत देगा कि नया नेतृत्व संगठन को कितनी मजबूती से संभाल पा रहा है और कठिन परिस्थितियों में पार्टी कितनी प्रभावी रणनीति अपनाती है। साथ ही, विपक्ष के लिए भी यह अवसर है कि वह स्थानीय मुद्दों और उम्मीदवारों को लेकर जनता के बीच अपनी बात मजबूती से रखे।लोकतांत्रिक राजनीति में अंततः अंतिम फैसला मतदाता का होता है। राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ा संदेश यही है कि उम्मीदवार चयन में पारदर्शिता, संगठन में संवाद और जनता के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक सफलता की वास्तविक कसौटी है।

नितिन नवीन की पहली परीक्षा बांकीपुर और दतिया उपचुनाव में बीजेपी की साख दांव पर

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन के सामने बिहार की बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा उपचुनाव पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा हैं। दतिया में नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया गया है।

बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन के सामने बिहार और मध्य प्रदेश के उपचुनाव पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा बनकर सामने आए हैं। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर नरोत्तम मिश्रा के यू-टर्न के बाद फिलहाल विवाद शांत होता नजर आ रहा है। हालांकि, टिकट कटने से नाराज उनके समर्थक आगे क्या रुख अपनाते हैं, इसका वास्तविक असर चुनाव परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा। वहीं, बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट नितिन नवीन की राजनीतिक प्रतिष्ठा से सीधे जुड़ी हुई है, क्योंकि यह उनका अपना पूर्व विधानसभा क्षेत्र रहा है। यहां बीजेपी ने पहले अभिषेक कुमार 'बंटी' को उम्मीदवार बनाया, लेकिन बाद में उनकी जगह नीरज कुमार सिन्हा को टिकट दे दिया। उम्मीदवार बदलने के इस फैसले को लेकर विपक्ष बीजेपी पर हमलावर है और चुनाव प्रचार के दौरान इसे बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में जुटा हुआ है। बीजेपी ने बांकीपुर और दतिया, दोनों ही उपचुनावों में नए चेहरों पर दांव लगाया है। हालांकि, दोनों जगहों पर उम्मीदवारों के चयन को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चा है। फर्क सिर्फ इतना है कि बांकीपुर में यह नाराजगी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई, जबकि दतिया में नरोत्तम मिश्रा के समर्थक खुलकर विरोध में उतर आए। प्रदर्शन इतना बढ़ गया कि हालात संभालने के लिए बीजेपी कार्यालय में पुलिस तक बुलानी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद मामला शांत हो सका। दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ जब बीजेपी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में पूर्व गृह मंत्री और तीन बार के विधायक रहे नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। नरोत्तम मिश्रा 2023 के विधानसभा चुनाव में हार गए थे। इसके बावजूद माना जा रहा था कि उपचुनाव में उन्हें एक और मौका मिलेगा। लेकिन पार्टी ने पीढ़ीगत बदलाव और नए नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए युवा चेहरे आशुतोष तिवारी को मैदान में उतार दिया, जिसके बाद मिश्रा समर्थकों की नाराजगी खुलकर सामने आ गई। इधर, नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई बांकीपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने पहले अभिषेक कुमार 'बंटी' को उम्मीदवार बनाया, लेकिन बाद में उनकी जगह नीरज कुमार सिन्हा को टिकट दे दिया। उम्मीदवार बदलने के इस फैसले के बाद पार्टी विपक्ष के निशाने पर आ गई। अभिषेक बंटी का नाम उनके पिता पर लगे चारा घोटाले से जुड़े आरोपों को लेकर चर्चा में रहा, जबकि नीरज सिन्हा की जन्मतिथि को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इसके अलावा उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह पत्रकारों के सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं। विपक्षी दल और जन सुराज से जुड़े समर्थक इस वीडियो को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा कर रहे हैं, जिस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। बांकीपुर सीट पर बीजेपी के सामने मुकाबला और भी दिलचस्प है, क्योंकि यहां आरजेडी की रेखा गुप्ता और जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी चुनाव मैदान में हैं। उम्मीदवार बदलने और पार्टी के भीतर उभरे असंतोष ने दोनों उपचुनावों को बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया है। बांकीपुर में पार्टी के सामने प्रशांत किशोर और आरजेडी की चुनौती का मुकाबला करते हुए अपनी पारंपरिक बढ़त बरकरार रखने की परीक्षा है। वहीं, दतिया में नरोत्तम मिश्रा जैसे वरिष्ठ नेता की नाराजगी के बीच नए उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को जीत दिलाना पार्टी की साख से जुड़ा मुद्दा बन गया है।

मै बीजेपी में हूं.. और मैं बीजेपी में ही मरूंगा नरोत्तम मिश्रा ने दिया बड़ा बयान

दतिया उपचुनाव में भाजपा में उम्मीदवारी को लेकर मचे बवाल और उसके बाद लग रहे कयासों के बीच भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, मै बीजेपी में हूं.. और मैं बीजेपी में ही मरूंगा। मेरे कहीं जाने का सवाल ही नहीं। उन्होंने आगे कहा, कार्यकर्त्ताओं में क्षणिक आवेश था वो ख़त्म हो गया है। मैं दिल्ली में संगठन के पदाधिकारी से मिलने के लिए आया था। पार्टी से बड़ा कोई नहीं है, पार्टी सबसे बड़ी है और हमेशा रहेगी। बता दें कि नरोत्तम मिश्रा ने आज बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और उसके बाद उन्होंने ये बयान दिया है। दतिया उपचुनाव को लेकर नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने जो किया, वो शायद ही बीजेपी में पहले कभी देखने को मिला हो। समर्थकों ने पत्थरबाजी की, सड़क जाम किया और.इतना ही नहीं, समर्थकों ने बीजेपी दफ्तर पर ही कब्जा कर लिया था। इसकी वजह थी कि पार्टी ने दतिया उपचुनाव में नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं देकर आशुतोष तिवारी को टिकट दे दिया था। उनके समर्थक उनका टिकट कटने से नाराज चल रहे थे और उन्होंने उम्मीदवार बदलने का दबाव बनाने नरोत्तम मिश्रा को टिकट देने के लिए बवाल मचाय था। पहले तो नरोत्तम मिश्रा के समर्थक बवाल काटते रहे और नरोत्तम मिश्रा ने कहा-क्या हुआ मुझे मालूम नहीं, मैं तो यहां था ही नहीं। उसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ मुलाकात की।साथ ही एमपी बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से भी मिले। बैठक के बाद नरोत्तम मिश्रा के सुर बदल गए और उन्होंने कहा कि सब ठीक है, दतिया उपचुनाव जीतना मक़सद है। मुझे अपने समर्थकों में कोई नाराज़गी नहीं है और मैं बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के नामांकन में भी शामिल होऊंगा। दतिया से नरोत्तम मिश्रा बीजेपी के प्रबल दावेदार थे और उन्होंने उपचुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर ली थी। लेकिन अचानक पार्टी ने आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी बना दिया, जिसके बाद नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने बवाल शुरू कर दिया था। आपको बता दें कि कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को दतिया से उम्मीदवार बनाया है, कांग्रेस बीजेपी की अंदरूनी गुटबाजी का फायदा उठाने की कोशिश में है, लेकिन नरोत्तम ने सारी उम्मीदों पर अपना बयान देकर पानी फेर दिया।

मानसून सेशन की शुरुआत से पहले 19 जुलाई को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई

संसद के मानसून सेशन की शुरुआत से 1 दिन पहले यानी 19 जुलाई को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस मीटिंग में केंद्र सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश करेगी, जबकि विपक्षी पार्टियां उन मुद्दों को सामने रखेंगी जिन्हें वे मानसून सेशन के दौरान उठाना चाहते हैं। संसद के हर सत्र से पहले होने वाली यह सर्वदलीय बैठक 19 जुलाई को सुबह 11 बजे शुरू होगी। केंद्र सरकार के पास इस बार कई अहम विधेयकों का एजेंडा है और मानसून सेशन में कई अहम बिल पेश किए जा सकते हैं। हालांकि, यह मानसून सेशन काफी हंगामेदार रहने की आशंका है। दूसरी तरफ, पिछले कुछ समय में कई विपक्षी दलों में टूट और अंदरूनी कलह भी देखने को मिले हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद TMC में भी उथल-पुथल मची हुई है। TMC के 20 सांसद, नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने संसद के निचले सदन लोकसभा में ममता बनर्जी गुट के सांसदों से अलग बैठने की मांग की है। वहीं, टीएमसी के 3 राज्यसभा सांसद भी पार्टी से इस्तीफा देकर BJP का दामन थाम चुके हैं।

इसी तरह, उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना UBT में भी एक और विभाजन देखने को मिला है। लोकसभा में UBT के 6 सांसद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की लीडरशिप वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। उससे पहले आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसद भी BJP में शामिल हो चुके हैं। माना जा रहा है कि विपक्ष, संसद के मानसून सेशन में NEET-UG पेपर लीक का केस समेत कई अहम मुद्दों को उठा सकता है। इससे पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बता चुके हैं कि संसद का मानसून सेशन 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक चलेगा। किरेन रिजिजू ने बताया था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों का मानसून सेशन बुलाने को मंजूरी दे दी है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक चर्चा, बहस और निर्णय के मकसद से यह सेशन 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा।

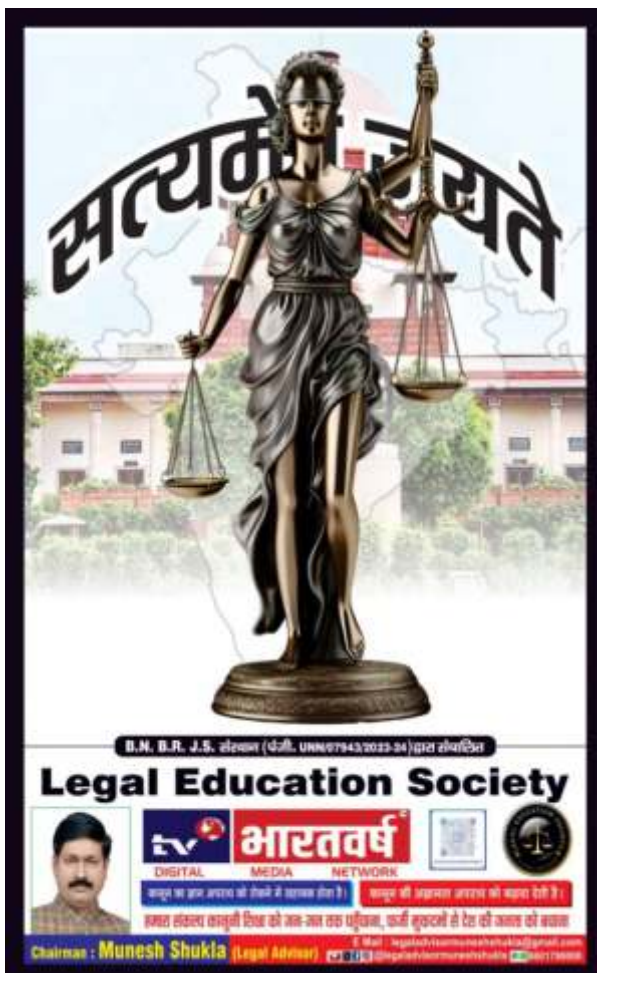

यूके की फास्ट-ट्रैक मास्टर्स डिग्री किसके लिए फायदेमंद और किसके लिए नहीं?

अगर आप ब्रिटेन में पढ़ने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो फिर आपने यहां मास्टर्स डिग्री को लेकर एक दिलचस्प चीज देखी होगी। ब्रिटेन में एक साल के भीतर ही मास्टर्स डिग्री मिल जाती है, जबकि अगर कोई अमेरिका, जर्मनी या ऑस्ट्रेलिया जैसे देश में पढ़ने जाए, तो उसे दो साल तक पढ़ाई करनी पड़ती है। इस वजह से छात्रों के साथ-साथ पैरेंट्स के मन में भी ये सवाल उठने लगता है, 'क्या एक साल की मास्टर डिग्री सच में काफी है? या यह कुछ भी ठीक से सीखने के लिए बहुत कम समय है?' दरअसल, ब्रिटेन में अंडरग्रेजुएट कोर्स में मुख्य सब्जेक्ट्स को गहराई के साथ पढ़ाया जाता है, जिस वजह से मास्टर्स में कई सारे टॉपिक को दोबारा से पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ती है। ब्रिटेन में मास्टर्स करने के दौरान बिना रुके ही पढ़ाई करनी पड़ती है। क्लास, असाइनमेंट, एग्जाम और फिर एक फाइनल रिसर्च प्रोजेक्ट। ये सभी आमतौर पर 12 महीनों में पूरे हो जाता है। स्टूडेंट्स को कोई ब्रेक भी नहीं मिलता है। इस तरह स्टूडेंट्स को सारी जरूरी चीजें एक साथ जल्दी-जल्दी पढ़ा दी जाती हैं, ताकि वे जॉब के लिए तैयार हो सकें। भारतीयों के लिए तो इनकी जानकारी रखना बेहद जरूरी है। एक वर्षीय मास्टर्स के निम्नलिखित नुकसान हैं। कम समय: क्लास की शुरुआत तुरंत हो जाती है और फिर कुछ ही महीनों में रिसर्च जमा करने की भी तारीख आ जाती है। इस वजह से इंटर्नशिप, पार्ट-टाइम प्रोजेक्ट्स और अलग-अलग स्पेशलाइजेशन करने के लिए समय नहीं मिलता है।

इंटर्नशिप के कम मौके: दो साल के कोर्स में, स्टूडेंट्स को अक्सर पहले और दूसरे साल के बीच समर इंटर्नशिप करने का मौका मिलता है। ब्रिटेन में एक वर्षीय कोर्स में ज्यादा समय नहीं मिल पाता है।

नेटवर्किंग के लिए कम समय: प्रोफेसर, अल्युमिनी और बाकी के छात्रों के साथ नेटवर्किंग के लिए समय चाहिए, लेकिन एक वर्षीय कोर्स में इसके लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है। इसका असर जॉब के दौरान देखने को मिलता है।

थकान महसूस होना: बहुत सारे ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं जो ब्रिटेन में एक वर्षीय मास्टर्स के दौरान थक जाते हैं। उन्हें लगता है कि सारा कोर्स काफी जल्दी हो रहा है, जिस वजह से पढ़ाई थकान भरी लगने लगती है।

जॉब में दिक्कत: कुछ ऐसी कंपनियां भी हैं, जो 2 वर्षीय मास्टर्स डिग्री रखने वाले स्टूडेंट्स को ही नौकरी देने में प्राथमिकता देती हैं। इस वजह से 1 वर्षीय मास्टर्स डिग्री होकर भी नौकरी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। अगर आपको समय और पैसा बचाना है, तो फिर आपके लिए एक वर्षीय मास्टर्स प्रोग्राम बिल्कुल फिट है। वर्क एक्सपीरयंस और करियर गोल की जानकारी रखने वाले स्टूडेंट्स भी ब्रिटेन में एक वर्षीय मास्टर्स डिग्री ले सकते हैं। अगर आपको जल्दी से खत्म होने वाले कोर्स से कोई दिक्कत नहीं है, तो फिर आप एडमिशन ले सकते हैं। इसी तरह से अगर आप डिग्री पूरी कर तुरंत जॉब करना चाहते हैं, तो ये कोर्स आपके लिए फिट होगा। अगर आपकी दिलचस्पी स्पेशलाइजेशन में है, तो फिर आपको ब्रिटेन के एक वर्षीय प्रोग्राम में एडमिशन नहीं लेना चाहिए। अगर कोई ऐसा कोर्स कर रहे हैं, जिसमें इंटर्नशिप जरूरी है, तो फिर एडमिशन लेने से बचें, क्योंकि आपके पास इसे पूरा करने के लिए समय नहीं होगा। इसी तरह से अगर आपको धीरे-धीरे पढ़ाई करनी है या फिर बैचलर्स के तुरंत बाद मास्टर्स करना है, तो एडमिशन लेने से बचें।

राजस्थान लोक से भर्ती परीक्षा का आगाज रविवार से

शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) भर्ती परीक्षा का आगाज आज रविवार से हो चुका है। अलवर जिले के साथ-साथ मालाखेड़ा और रामगढ़ में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। यह परीक्षा आज 12 जुलाई से शुरू होकर आगामी 17 जुलाई तक लगातार छह दिनों तक चलेगी। परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाई है। यह परीक्षा हर दिन दो पारियों में आयोजित की जा रही है। पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक रखी गई है। आंकड़ों की बात करें तो पहले दिन ही दोनों पारियों को मिलाकर करीब 28,490 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, जबकि छह दिनों में कुल 72 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी इस एग्जाम में बैठेंगे। अलवर जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 19 सरकारी और 38 प्राइवेट स्कूल-कॉलेज शामिल हैं। आरपीएससी ने इस बार सुरक्षा और चेकिंग को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। परीक्षा शुरू होने से ठीक एक घंटा पहले यानी पहली पारी के लिए सुबह 9 बजे और दूसरी पारी के लिए दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्रों के मुख्य दरवाजे बंद कर दिए गए। इसके बाद देर से आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को एंट्री नहीं दी गई।

लिंडा नोस्कोवा ने जीता विंबलडन 2026 महिला सिंगल्स का खिताब

यास्तिका भाटिया ने रच दिया इतिहास

लॉर्ड्स में टेस्ट सेंचुरी जड़ने वाली बनीं पहली महिला बल्लेबाज

क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट की नई इबारत लिखी गई। विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स में महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गई हैं। 25 साल की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका ने तीसरे दिन 145 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनकी इस शानदार पारी में 12 चौके शामिल रहे। यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी पहला शतक है।लॉर्ड्स टेस्ट में तीसरे दिन यास्तिका किस्मत को अपनी पहली ही गेंद पर किस्मत का साथ मिला। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल की पहली ही गेंद उनके ऑफ स्टंप से टकराई, लेकिन बेल्स नहीं गिरीं और वह आउट होने से बच गईं। जीवनदान मिलने के बाद यास्तिका ने कोई गलती नहीं की और धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए ऐतिहासिक शतक पूरा कर लिया। यह मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जा रहा पहला महिला टेस्ट है और यास्तिका ने इसे और भी यादगार बना दिया। इस टेस्ट मैच में भारत की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेकर पहले ही लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर जगह बना ली थी। अब यास्तिका भाटिया ने शतक लगाकर ऐतिहासिक कीर्तिमान रच दिया। लगातार दो दिनों में दो भारतीय महिला खिलाड़ियों का ऑनर्स बोर्ड पर पहुंचना भारतीय महिला क्रिकेट के लिए बेहद खास उपलब्धि माना जा रहा है।

मैकुलम ने पुरुष टेस्ट टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया

इंग्लैंड क्रिकेट में एक बड़े बदलाव के तहत ब्रेंडन मैकुलम ने पुरुष टेस्ट टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीमों के साथ बतौर मुख्य कोच जुड़े रहेंगे। मैकुलम के रेड-बॉल क्रिकेट से हटने के साथ ही इंग्लैंड के चर्चित 'बैजबॉल' युग का भी अंत हो गया है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदला था। मैकुलम का फैसला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद आया है। कुछ ही समय पहले स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। मैकुलम एरा में स्टोक्स इंग्लैंड टीम के कप्तान थे। मैकुलम और स्टोक्स के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड को अब टेस्ट फॉर्मेट में स्थायी कोच और कप्तान की तलाश होगी। मैकुलम ने अपने बयान में कहा कि टेस्ट टीम को छोड़ना उनके लिए भावनात्मक फैसला है, लेकिन वह इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निर्णय का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टेस्ट टीम के साथ काम करना बेहद पसंद रहा और इस दौरान मिली उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा, "मुझे टेस्ट टीम को कोचिंग देना बहुत पसंद था। हमने साथ मिलकर कई शानदार पल देखे और कुछ मुश्किल दौर भी आए। यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मुझे इंग्लैंड जैसी टीम के साथ काम करने का मौका मिला। खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और प्रशंसकों ने इस सफर में जो समर्थन दिया, उसके लिए मैं आभारी हूं।" मैकुलम ने यह भी स्पष्ट किया कि अब उनका पूरा ध्यान इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीमों को आगे ले जाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्हें उम्मीद है कि टीम भविष्य में बड़ी सफलताएं हासिल करेगी। ब्रेंडन मैकुलम का टेस्ट कोच के रूप में कार्यकाल 2022 में शुरू हुआ था। उनके आने के बाद इंग्लैंड ने आक्रामक और निडर क्रिकेट की नई शैली अपनाई, जिसे 'बैजबॉल' नाम दिया गया।

अर्जेंटीना स्विटजरलैंड को 3 . 1 से हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में

अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौतारो मार्तिनेज के गोल की मदद से मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना ने स्विटजरलैंड को 3 . 1 से हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना इंग्लैंड से होगा हालांकि यह मुकाबला उतना आसान नहीं था जिनका सोचा जा रहा था। विश्व कप में लगातार गोल करने का लियोनेल मेस्सी का नौ मैचों का सिलसिला टूट गया लेकिन लगातार दूसरे खिताब से अब वह सिर्फ दो जीत दूर हैं। सेमीफाइनल में उसे इंग्लैंड से खेलना है जिसने नॉर्वे को 2 . 1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना स्पेन से होगा और पहली बार फीफा रैंकिंग की शीर्ष चारों टीमें विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अर्जेंटीना के लिये मेस्सी की कॉर्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पहला गोल किया था। दूसरा हाफ काफी नाटकीय रहा और एक बार फिर रैफरी के फैसले के बाद आलोचक मुखर हो जायेंगे कि टूर्नामेंट में अर्जेंटीना का पक्ष लिया जा रहा है। स्विटरजलैंड ने 67वें मिनट में डैन एनडोये के गोल की मदद से बराबरी की थी जब ब्रील एम्बोलो से टकराने के कारण लिएंड्रो पेरेदेस को येलो कार्ड दिखाया गया। वीडियो से हालांकि जाहिर था कि स्विस खिलाड़ी एम्बोलो अर्जेंटीना के मिडफील्डर से टकराने से पहले ही गिर रहे थे। एम्बोलो को मैच में पहले ही येलो कार्ड मिल चुका था जो उसे रेडकार्ड में बदल दिया गया। स्विटजरलैंड को आखिर में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इस विश्व कप में दूसरी बार येलो कार्ड का फैसला बदला गया है। नियमों के अनुसार अगर गलत खिलाड़ी को येलो या रेडकार्ड मिलता है तो वीडियो सहायक रैफरी दखल दे सकता है। विश्व कप में लगातार 12वां मैच जीतने वाली अर्जेंटीना टीम नॉकआउट चरण में कमजोर नजर आई। केप वर्दे जैसे छोटे से देश के खिलाफ उसका मुकाबला अतिरिक्त समय तक खिंचा।

गूगल की पूर्व कर्मचारी की पोस्ट वायरल

विदेश जाकर समझ आई भारत की कीमत

विदेश में नौकरी करना और नई जिंदगी शुरू करना लाखों लोगों का सपना होता है. बेहतर सैलरी, अच्छी लाइफस्टाइल और नए अवसरों की तलाश में हर साल बड़ी संख्या में भारतीय दूसरे देशों का रुख करते हैं.

लेकिन विदेश में रहने के बाद जिंदगी को लेकर हर किसी की सोच एक जैसी नहीं रहती. Google की पूर्व कर्मचारी अनु शर्मा ने भी विदेश में छह महीने बिताने के बाद कुछ ऐसे अनुभव साझा किए हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं.

Google, X और Intuit जैसी कंपनियों में काम कर चुकी अनु शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा-मैं पिछले छह महीने से विदेश में रह रही हूं. इस दौरान मुझे

छह ऐसी बातें समझ आईं, जिनकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी." अनु शर्मा ने कहा कि विदेश में रहने के बाद उन्हें भारत को लेकर नया नजरिया मिला. उनके मुताबिक, विदेश जाने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि भारत में अवसरों की कोई कमी नहीं है. उन्होंने लिखा कि विडंबना यह है कि विदेश आने के बाद मैं भारत को लेकर पहले से ज्यादा आशावादी हो गई हूं. अब मुझे समझ आया कि भारत में कितने अवसर मौजूद हैं.

अनु ने माना कि विदेश में रहने का सबसे कठिन हिस्सा अपनों से दूर रहना होता है. उन्होंने लिखा कि होमसिकनेस (घर की याद) एक ऐसी भावना है, जिसका असर लोगों पर उनकी उम्मीद से कहीं ज्यादा होता है.उनके मुताबिक, चाहे विदेश में सुविधाएं कितनी भी अच्छी क्यों न हों, परिवार और करीबी लोगों की कमी हमेशा महसूस होती है. अनु शर्मा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि विदेश में रहने के बाद उन्हें सबसे बड़ी सीख यह मिली कि घर किसी शहर या देश का नहीं, बल्कि अपने लोगों का नाम है.

भारतीय महिला ने बताया न्यूजीलैंड के ऑफिस का नियम

काम के बाद दफ्तर से वक्त पर घर लौटने की आजादी

भारत में काम के घंटे (वर्किंग आवर्स), ओवरटाइम और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर अक्सर बहस होती रहती है.

बेहतर नौकरी, अच्छी सैलरी और जीवन स्तर की तलाश में बड़ी संख्या में भारतीय विदेशों का रुख भी करते हैं. ऐसे में जब कोई भारतीय विदेश के वर्क कल्चर का अपना अनुभव साझा करता है, तो वह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाता है. इन दिनों न्यूजीलैंड में काम कर रहीं भारतीय महिला यामिका गांधी का एक ऐसा ही वीडियो चर्चा में है. यामिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए बताया कि न्यूजीलैंड में कर्मचारियों को सिर्फ काम करने

वाली मशीन नहीं, बल्कि एक इंसान की तरह देखा जाता है. उन्होंने कहा कि वहां कर्मचारियों के समय, मेहनत और निजी जिंदगी का सम्मान किया जाता है. यामिका ने वीडियो में अपना ऑफिस दिखाया, जो शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लगभग खाली नजर आता है.

30 सेकंड में 195 किस... ब्राजील के डॉक्टर कपल ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

Kiss का कमाल, गिनीज में धमाल

ब्राजील के डॉक्टर कपल ने इंटरनेशनल किसिंग डे पर महज 30 सेकंड में 195 किस कर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया. अब दोनों 1 मिनट में सबसे ज्यादा किस करने का रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं.

क्या कोई कपल सिर्फ 30 सेकंड में 195 बार किस कर सकता है? सुनने में यह भले ही अजीब लगे, लेकिन ब्राजील के एक कपल ने ऐसा करके अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया है. खास बात यह है कि दोनों पेशे से डॉक्टर हैं और कोरोना महामारी के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर के तौर पर भी काम कर चुके हैं. ब्राजील के रेनाटो बायमा गैया और उनकी गर्लफ्रेंड नायारा रोबर्टा रिबेरो डी मारिन्स ने 30 सेकंड में सबसे ज्यादा किस करने का रिकॉर्ड बनाया. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, इस जोड़ी ने महज 30 सेकंड में 195 किस कर नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. इंटरनेशनल किसिंग डे पर बनाया रिकॉर्ड इस कपल ने यह रिकॉर्ड ऐसे समय बनाया, जब दुनिया भर में इंटरनेशनल किसिंग डे मनाया जा रहा था. दोनों ने बताया कि उन्हें लगा कि वे दुनिया के सबसे बेहतरीन कपल हैं, इसलिए उन्होंने इस चुनौती को साथ मिलकर पूरा करने का फैसला किया.

अब 1 मिनट में सबसे ज्यादा किस करने की तैयारी

30 सेकंड में 195 किस करने के बाद अब यह कपल एक और रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी कर रहा है. उनका अगला लक्ष्य 1 मिनट में सबसे ज्यादा किस करने का रिकॉर्ड है. फिलहाल यह रिकॉर्ड जापान के चेरी योशिताके और कुमिको शिरातोरी के नाम है, जिन्होंने 1 मिनट में 277 किस कर यह उपलब्धि हासिल की थी. रेनाटो और नायारा का कहना है कि उनके लिए यह रिकॉर्ड सिर्फ संख्या का खेल नहीं, बल्कि उनके रिश्ते, आपसी भरोसे और चुनौतियों को साथ मिलकर पूरा करने की यादगार कहानी है.

रोबोट की रफ्तार से भेलपुरी बनाने वाले का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर इन दिनों भेलपुरी बनाने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. करीब 95 सेकंड के इस वीडियो में एक स्ट्रीट फूड वेंडर बेहद तेज रफ्तार से भेलपुरी तैयार करता दिखाई देता है. वीडियो को देखकर इंटरनेट यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. जहां कुछ लोग वेंडर की फुर्ती की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कई लोगों ने खाने की साफ-सफाई को लेकर चिंता जताई है. वायरल वीडियो को डॉक्टर हेमंत मौर्य ने भी शेयर किया है.

40 मिलियन व्यूज पार करते ही यश ने विशाल मिश्रा पर लुटाया प्यार, बोले- मिला एक छोटा भाई

सुपरस्टार यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' का पहला गाना 'तबाही' रिलीज हो चुका है और अब हर तरफ ये गाना छाया है। ऐसे में यश ने इस गाने की सफलता का श्रेय सिंगर विशाल मिश्रा को दिया है। उन्होंने विशाल मिश्रा की तारीफ में एक पोस्ट भी साझा किया है, जिसमें उन्होंने सिंगर को अपना छोटा भाई बताया है।सुपरस्टार यश अब अपनी अपकमिंग क्राइम-थ्रिलर 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। पहले ये फिल्म मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी, लेकिन कुछ वजहों से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट टाल दी और अब करीब 4 महीने के लंबे इंतजार के बाद यश स्टारर ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक को तैयार है। पहले ही फिल्म का टीजर जारी किया जा चुका है और हाल ही में इसका पहला गाना 'तबाही' भी रिलीज कर दिया गया। चार दिन पहले 'टॉक्सिक' का पहला गाना 'तबाही' रिलीज हुआ, जिसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस गाने को सिंगर विशाल मिश्रा ने आवाज दी है और इस रोमांटिक ट्रैक के कंपोजर भी वही हैं। गाने के हिंदी वर्जन को यूट्यूब पर अब तक 40 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और गाने की सफलता का श्रेय यश ने विशाल मिश्रा को दिया है।हाल ही में विशाल मिश्रा ने एक पोस्ट के जरिए रॉकिंग स्टार यश की तारीफ की थी और अब यश ने 'तबाही' की सफलता को लेकर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने गाने की सफलता का श्रेय सिंगर विशाल मिश्रा को दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में विशाल मिश्रा की जमकर तारीफ की और उन्हें अपना छोटा भाई बताया है। यश ने विशाल मिश्रा के लिए एक बेहद प्यारा मैसेज लिखा, जिसकी अब हर तरफ चर्चा हो रही है। अपने पोस्ट में यश ने विशाल मिश्रा की तारीफ करते हुए लिखा- 'विशाल मिश्रा तुम्हारे साथ म्यूजिक बनाना किसी जादू से कम नहीं है। और इस पूरी प्रोसेस में मुझे एक छोटा भाई भी मिल गया। तुम पर साक्षात माता सरस्वती की कृपा है। तुम्हारे टैलेंट का जलवा अब लोगों ने देखना शुरू किया है। दुनिया को 'तबाही' देने के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया।' बता दें, 'टॉक्सिक' का पहला गाना चार दिन पहले ही 8 जुलाई 2026 को ही जारी किया गया है, जिसके हिंदी वर्जन को अब तक 40 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इस गाने में यश और कियारा की केमेस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। गाने का ऑडियो मेकर्स ने मार्च में ही जारी कर दिया था, लेकिन इसका आधिकारिक वीडियो अब जाकर रिलीज किया है, जिसे ऑडियंस से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। खासतौर पर कियारा और यश की केमेस्ट्री की अब खूब चर्चा हो रही है। 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की रिलीज की बात करें तो ये फिल्म 26 अगस्त 2026 को कन्नड़ के साथ हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और अंग्रेजी भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यानी अभी दर्शकों को ये फिल्म देखने के लिए 1 महीने से ज्यादा का इंतजार करना पड़ेगा। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, नयनतारा, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

बर्ड हिट के बावजूद सुरक्षित रही फ्लाई दुबई की उड़ान

यह वही विमान था जिसे लखनऊ से दुबई के लिए एफडी-444 (FZ-444) उड़ान के रूप में सुबह लगभग 7:35 बजे रवाना होना था। लेकिन तकनीकी जांच पूरी न होने और सुरक्षा कारणों से इस उड़ान को तत्काल स्थगित कर दिया गया।

राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया, जब दुबई से आ रही फ्लाई दुबई (Flydubai) की अंतरराष्ट्रीय उड़ान एफजेड-443 (FZ-443) लैंडिंग से ठीक पहले बर्ड हिट (पक्षी से टकराने) का शिकार हो गई। विमान में 163 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। पक्षी के टकराने के बाद पायलट ने तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का निर्णय लिया। पायलट की सतर्कता और एयरपोर्ट प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते सभी यात्रियों की जान सुरक्षित बच गई और एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार फ्लाई दुबई की उड़ान एफजेड-443 शनिवार तड़के दुबई से रवाना हुई थी और निर्धारित समय के अनुसार सुबह लगभग 6:35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली थी। विमान जब चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास पहुंचा और लैंडिंग की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक एक पक्षी विमान से टकरा गया। घटना के बाद कॉकपिट में मौजूद पायलट ने तुरंत विमान की स्थिति का आकलन किया और एहतियात के तौर पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को पूरी जानकारी देते हुए सुरक्षित लैंडिंग की अनुमति मांगी। बर्ड हिट की सूचना मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल पूरी तरह सक्रिय हो गया। विमान को प्राथमिकता देते हुए रनवे खाली कराया गया और एयरपोर्ट की आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट कर दिया गया। अग्निशमन विभाग, मेडिकल टीम और तकनीकी विशेषज्ञों को भी तुरंत रनवे के पास तैनात कर दिया गया ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान को सुबह करीब 7:13 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतार लिया गया। विमान के सुरक्षित लैंड होते ही यात्रियों और एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान विमान में मौजूद किसी भी यात्री या चालक दल के सदस्य को कोई चोट नहीं आई। विमान के रनवे पर उतरने के बाद उसे सावधानीपूर्वक पार्किंग बे तक ले जाया गया। इसके बाद सभी 163 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को पूरी स्थिति से अवगत कराया और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। घटना के समय कुछ यात्रियों में स्वाभाविक रूप से घबराहट थी, लेकिन विमान के सुरक्षित उतरने और किसी प्रकार की जनहानि नहीं होने से सभी ने राहत महसूस की। कई यात्रियों ने पायलट और चालक दल की पेशेवर कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता के कारण सभी सुरक्षित हैं। इमरजेंसी लैंडिंग के तुरंत बाद विमान को रनवे से हटाकर तकनीकी निरीक्षण के लिए पार्किंग बे में ले जाया गया। विमान इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने विमान के इंजन, विंग, नोज सेक्शन, लैंडिंग गियर और अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों की विस्तृत जांच शुरू की। बर्ड हिट के बाद किसी भी विमान को बिना तकनीकी परीक्षण के दोबारा उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जाती। यही कारण रहा कि फ्लाई दुबई का यह विमान करीब छह घंटे तक एयरपोर्ट पर खड़ा रहा। विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने में जुटे रहे कि पक्षी के टकराने से विमान के किसी हिस्से में ऐसी क्षति तो नहीं हुई, जिससे आगे उड़ान के दौरान खतरा उत्पन्न हो सकता हो।

तेज धूप निकलने से लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा

राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। पिछले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के बाद आज सुबह से आसमान पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप निकलने से लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल मानसून की सक्रियता में कमी आई है, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक राजधानी में धूप और उमस का असर बढ़ सकता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश में आई इस अस्थायी कमी के चलते दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी और लोगों को एक बार फिर गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। रविवार सुबह जैसे ही सूरज निकला, राजधानी के अधिकांश इलाकों में तेज धूप देखने को मिली। कई दिनों बाद लगातार साफ आसमान दिखाई दिया, जिससे लोगों ने राहत की उम्मीद तो की, लेकिन बढ़ती धूप के साथ उमस भी बढ़ने लगी। सुबह के समय ही वातावरण में नमी अधिक होने के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का एहसास हुआ। मौसम साफ रहने से सड़कों पर सामान्य दिनों की तरह आवाजाही भी बढ़ गई, लेकिन दोपहर चढ़ने के साथ ही गर्मी का असर स्पष्ट दिखाई देने लगा। लखनऊ मौसम वैज्ञानिक के अनुसार मानसून पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन उसकी सक्रियता फिलहाल कमजोर पड़ गई है। ऐसे में बीच-बीच में बादल आने की संभावना बनी रहेगी, हालांकि व्यापक बारिश के आसार फिलहाल कम हैं। मौसम विभाग ने रविवार के लिए राजधानी का अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है।

चुनावी रणनीति को धार देने के लिए भाजपा ने नई सोशल इंजीनियरिंग की राह पकड़ी

चुनावी रणनीति को धार देने के लिए भाजपा ने नई सोशल इंजीनियरिंग की राह पकड़ी है। नई रणनीति के तहत पार्टी अनुभव की पूंजी रखने वाले पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं संगठन के पदाधिकारियों से भावनात्मक तार जोड़ेगी। उन्हें पार्टी की नींव बताकर नए कार्यकर्ताओं के बीच बड़ा संदेश दिया जाएगा। प्रवास पर जाने वाले सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्र में पूर्व पदाधिकारियों से सबसे पहले मिलेंगे, जिसकी रिपोर्ट संगठन महामंत्री को दी जाएगी। सभी जिलाध्यक्षों से ऐसे लोगों की जानकारी मांगी गई है कि जो पहले संगठन या सरकार में रहे हों, लेकिन आज हाशिए पर हैं। इस बहाने कई सीटों पर पुराने एवं खांटी कार्यकर्ताओं को विशेष जिम्मेदारी के साथ उतारा जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन चार और पांच जुलाई को लखनऊ में प्रवास कर पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वो पुराने नेताओं से अवश्य मिलें। संगठन को अनुभवी चेहरों से मार्गदर्शन लेने के लिए कहा। नितिन नवीन ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से मिलकर भी उनसे रणनीतिक एवं व्यवहारिक रूप से लोगों से जुड़ने की अपील की। पार्टी जानती है कि अनुभवी चेहरों ने उन दिनों में परिश्रम कर संगठन खड़ा किया जब न प्रदेश में अपनी सरकार थी न कोई संसाधन। 11 जुलाई को प्रदेश पदाधिकारियों की मीटिंग में यह बात उठाई गई कि समन्वय सिर्फ सरकार एवं संगठन के बीच जरूरी नहीं, बल्कि इस नेटवर्क में पूर्व सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, जिलाध्यक्षों एवं प्रभारियों को भी जोड़ना होगा। प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा ने बताया कि सनातन परंपरा भी यही कहती है कि अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन मिलना हमें सफलता की तरफ ले जाता है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि संपर्क और समन्वय पर विशेष जोर है, जिसमें पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें संवाद की मुख्यधारा में लाने का प्रयास होगा। प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं एवं 98 संगठनात्मक जिलों में प्रभारी बनाए जाने हैं, जबकि छह-छह क्षेत्रों एवं मोर्चों के लिए प्रभारियों की अलग सूची जारी होगी। पार्टी ने तय किया है कि विधान सभा प्रभारियों की राजनीतिक उम्र या उपलब्धियां प्रत्याशी से ज्यादा हों, जिससे एक स्वाभाविक अनुशासन का वातावरण रहेगा।

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने लंबे चौड़े काफिले के साथ प्रदेश कार्यालय पहुंचकर पदभार संभाला

हाथ में कफन और आत्मदाह की धमकी सुनकर पुलिसकर्मियों के हाथ पांव फूल गए हालांकि इस दौरान पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचाने के संदेश को भी भूल गईबता दें कि पिछले दिनों कई भाजपा नेताओं ने अपना काफिला छोटा कर लिया था। गाड़ियों के काफिले के साथ रोड शो करते हुए खुली कार में सवार होकर रोहित प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस बीच क्रेन से फूलों की माला पहनाई गई। भगवान राम की मूर्ति, रामचरितमानस, गदा, तलवार, फरसा भेंट किए गए। मिश्रा ने तलवार और गदा लहराया। कहा कि 2027 का समर है। युवा वह होता है जो अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने का साहस रखता है। व्यवस्था में भ्रष्टाचार या अन्याय दिखाई देता है, वहां उसके प्रतिकार के लिए सबसे पहले युवा ही खड़े होते हैं। रोहित इससे पहले भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष थे। प्रतापगढ़ के रहने वाले रोहित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े रहे हैं। 2016 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे। संचालन वरुण गोयल ने किया। स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और नौजवान साथियों का औपचारिक स्वागत देवेन्द्र सिंह पटेल द्वारा किया गया।

विभाग का आरोप है कि कूटरचना कर फर्जी NOC तैयार कराया गया और उसी के आधार पर बिजली निगम से कनेक्शन ले लिया गया। सहायक निदेशक के मुताबिक, वर्ष 2016 में जारी असली NOC की प्रति, डिस्पैच रजिस्टर की छाया प्रति, बिजली बिल और संबंधित अभिलेख पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। आगे इसी के नियमानुसार कार्रवाई होगी।

लखनऊ में बहू की बेरहमी से पिटाई, सास और मौसी पर मारपीट का आरोप

पारा थाना क्षेत्र का एक वीडियो सामने आया है। इसमें 2 अधेड़ उम्र की महिलाएं एक एक महिला को डंडे और बेल्ट से पीटती दिख रही हैं। दोनों ने उसके बाल भी नोचे। इस मामले में पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत दे दी है। पुलिस ने बताया है कि सास ने अपनी बहन और छोटे बेटे को बुलाकर बहू को पीटा है। मामले की जांच की जा रही है। घायल महिला की मेडिकल जांच कराई जा रही है। मामला बुद्धेश्वर के आदर्श विहार कॉलोनी का है। पीड़िता सोनी कश्यप ने थाने में दी शिकायत में बताया है- मेरी सास शारदा देवी ने 29 जून को सुबह करीब 9:30 बजे मुझे गाली देनी शुरू कर दी। जब मैंने इसका विरोध किया तो उन्होंने देवर शिवम को बुला लिया। दोनों ने मुझे लाठी-डंडे से पीटा। मारपीट के बाद देवर घर से भाग गया।कुछ देर बाद सास वहां से गईं और अपनी बहन कमलेश को बुला लाईं। फिर उन दोनों ने मिलकर मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। मेरे बाल नोचे। मुझे बेल्ट से पीटा। घर से लेकर दरवाजे के बाहर तक घसीट-घसीटकर मारा। इस दौरान मोहल्ले के लोग तमाशा देखते रहे। इस मारपीट से मेरे सिर में गंभीर चोट आई और काफी खून बह गया। कई बाहरी और अंदरूनी चोटें आई हैं। अस्पताल जाकर इलाज कराना पड़ा है। मारपीट के दौरान मेरे कान से करीब तीन ग्राम वजनी सोने के गहने छीन लिए गए।

संतोष दुबे की प्रेसवार्ता अनुमति नहीं होने के कारण आयोजित नहीं हो सकी

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि के कथित गबन मामले को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शनिवार को उस समय नया घटनाक्रम सामने आया, जब धर्म सेना के प्रमुख संतोष दुबे की प्रस्तावित प्रेसवार्ता आयोजित नहीं हो सकी। जानकारी के अनुसार, जिस होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जानी थी, वहां के प्रबंधन ने प्रशासन की अनुमति के बिना कार्यक्रम कराने से इनकार कर दिया। होटल संचालक ने आयोजकों से स्पष्ट कहा कि प्रशासन से आवश्यक अनुमति पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद ही सभागार उपलब्ध कराया जाएगा।इस घटनाक्रम के बाद निर्धारित समय पर होने वाली प्रेस वार्ता स्थगित हो गई और मौके पर मौजूद मीडिया प्रतिनिधियों को भी बिना किसी औपचारिक बयान के लौटना पड़ा। पूरे घटनाक्रम को लेकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गईं, हालांकि प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। सूत्रों के अनुसार, धर्म सेना प्रमुख संतोष दुबे राम मंदिर में दान राशि के कथित गबन मामले को लेकर मीडिया के सामने अपना पक्ष रखने वाले थे। इसके लिए शहर के एक होटल में प्रेसवार्ता आयोजित की गई थी। पत्रकारों के पहुंचने के बाद होटल प्रबंधन ने आयोजकों से प्रशासन की अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगे। बताया गया कि होटल संचालक ने स्पष्ट किया कि प्रशासन के निर्देशों के अनुसार किसी भी संवेदनशील विषय पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम अथवा प्रेसवार्ता के लिए आवश्यक अनुमति होना जरूरी है। अनुमति पत्र उपलब्ध न होने के कारण होटल प्रबंधन ने सभागार उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया और कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ सका। राम मंदिर से जुड़े किसी भी विषय को प्रशासन अत्यंत संवेदनशील मानता है। ऐसे मामलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है। माना जा रहा है कि इसी कारण होटल प्रबंधन ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए बिना अनुमति के प्रेस वार्ता आयोजित नहीं होने दी। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि आयोजकों को पहले प्रशासन से औपचारिक अनुमति लेने और उसके बाद ही कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी गई। हालांकि इस संबंध में प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं की है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि के कथित गबन का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है। इस मामले में जांच एजेंसियां अपनी कार्रवाई कर रही हैं और विभिन्न स्तरों पर जांच आगे बढ़ रही है। इसी बीच कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी मामले में पारदर्शिता की मांग उठाई है।

शादीशुदा प्रेमी-प्रेमिका की दर्दनाक मौत जहर खाने से पहले पति को किया आखिरी फोन

कानपुर के एक होटल में प्रेमी-प्रेमिका ने जहर खाकर जान दे दी। महिला उन्नाव की और लड़का फतेहपुर का रहने वाला था। दोनों शादीशुदा थे और अपने-अपने घरों से सुसाइड करने का प्लान बनाकर निकले थे। घटना शनिवार शाम 4 बजे तब सामने आई, जब होटल के कमरे से चीखने की आवाज आई। होटल स्टाफ ने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला तो युवक बेड पर बेसुध पड़ा था, जबकि महिला पास में ही लेटी थी और पानी के लिए चिल्ला रही थी। दोनों को उर्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। रविवार को पुलिस जांच में सामने आया कि होटल पहुंचने से पहले युवक ने इंस्टाग्राम पर रील बनाई। जिसमें बोला था- मैं अपने दर्द की किताब लिखूं तो लोग इश्क से डर जाएंगे...। साथ में लिखा- मैं मरने जा रहा हूं। उधर, महिला ने अपने पति को फोन कर कहा- मैंने जहर खा लिया है, अब बच्चों के साथ मजे से रहना... और कॉल कट कर दी। करीब एक महीने पहले दोनों परिवार छोड़कर गुजरात भाग गए थे, जहां से पुलिस ने उन्हें बरामद कर परिजनों के हवाले किया था। परिवार और पुलिस की सख्ती के बावजूद दोनों फिर संपर्क में आए और साथ जीने की राह बंद होने पर साथ मरने का फैसला कर लिया। कॉल डिटेल, सोशल मीडिया पोस्ट और चैट के आधार पर पुलिस इसे पहले से बनाई गई सुसाइड की योजना मानकर पूरे मामले की जांच कर रही है। रविवार शाम करीब 4 बजे दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। शनिवार को कानपुर के घंटाघर स्थित होटल सूर्या में पुलिस को 2 शव मिले। उनकी पहचान उन्नाव की शिवांगी (33) और फतेहपुर के युवक दिग्विजय (35) के रूप में हुई। उन्नाव के मगरवारा निवासी धीरू तिवारी गुजरात में ट्रैवेल्स का काम करते हैं। घर में पत्नी शिवांगी और 7 साल की बेटी, 9 साल का बेटा है। धीरू ने बताया कि उसकी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी, लेकिन एक साल पहले उसकी पत्नी शिवांगी की फेसबुक के जरिए फतेहपुर के राधा नगर निवासी दिग्विजय से दोस्ती हो गई।धीरू ने कहा- मैं गुजरात में रहता था। इसका फायदा शिवांगी और दिग्विजय के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। जब परिवार को मामले की जानकारी हुई तो मैंने विरोध भी किया। इस बात को लेकर कलह बढ़ी तो 9 जून 2026 को शिवांगी मुझे और बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी दिग्विजय के साथ घर से भाग निकली। पुलिस के अनुसार, शिवांगी के पति धीरू तिवारी और भाई हिमांशु शुक्ला ने कोतवाली में शिवांगी की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों को गुजरात से बरामद कर लिया। दोनों को इस शर्त पर छोड़ा गया कि अब दोनों आपस में कोई संबंध नहीं रखेंगे। यहां तक कि दोनों के सिमकार्ड भी थाने में ही तोड़ दिए गए। इसके बाद दोनों नया मोबाइल नंबर इस्तेमाल करने लगे, लेकिन एक महीने के भीतर ही फिर से बातचीत शुरू हुई। दोनों ने बंदिशों के चलते साथ मरने का फैसला लिया। होटल के कमरे में एक साथ तीन घंटे बिताने के बाद शनिवार दोपहर सुसाइड कर लिया। ACP कलक्टरगंज आनंद कुमार ओझा ने बताया- फतेहपुर के राधा नगर निवासी दिग्विजय और उन्नाव के मगरवारा निवासी शिवांगी शनिवार दोपहर 12:30 बजे होटल में चेक-इन किया था। दोनों कमरा नंबर 106 में ठहरे थे।शाम 4 बजे रूम से शिवांगी की चीख सुनाई पड़ी, वह चीख-चीख कर बोल रही थी कि कोई पानी तो पिला दे। कमरे से जहर की पुड़िया भी बरामद हुईपति धीरू ने बताया कि शिवांगी ने जहर खाने के बाद उसे कॉल किया और बोली कि मैंने जहर खा लिया है। अब बच्चों के साथ मजे से रहना...। इसके बाद कॉल कट हो गई।कॉल कटने के बाद धीरू ने मामले की जानकारी उन्नाव पुलिस को दी। उन्नाव पुलिस ने लोकेशन के आधार पर कानपुर की कलक्टरगंज पुलिस से संपर्क किया और दोनों के सुसाइड की जानकारी मिली।पोस्टमॉर्टम हाउस पर रविवार शाम दोनों के परिजन बार-बार यही कह रहे थे कि शिवांगी की शादी को करीब 13 साल हो गए और दो बच्चे हैं। दिग्विजय के भी पत्नी बच्चे हैं, लेकिन दोनों की इस कदर बुद्धि खराब हुई कि दोनों पहले पति-पत्नी और बच्चों को छोड़कर भागे। जब पुलिस और परिवार के लोगों ने सख्ती की तो दोनों ने एक साथ मरने का फैसला लिया।

हाथ में कफन और आत्मदाह की धमकी सुनकर पुलिसकर्मियों के हाथ पांव फूल गए

उन्नाव में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पुलिस वालों से खफा होकर एक युवक थाने पहुंच गया। उसके हाथ में कफन और आत्मदाह की धमकी सुनकर पुलिसकर्मियों के हाथ पांव फूल गए। युवक की पीड़ा 23 हजार रुपये को लेकर थी। बकाया रुपये न मिलने से परेशान एक युवक शुक्रवार को कफन लेकर औरास थाने पहुंच गया। उसने खुद पर आग लगाकर जान देने की बात कही। इससे थाने में खलबली मच गई। पुलिस और लोगों की पहल पर दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया। कस्बा औरास निवासी प्रकाश राठौर ने बताया कि लगभग पांच वर्ष पहले उसने अपने चचेरे भाई इनायतपुर बर्रा निवासी रज्जन को चाट की दुकान शुरू करने के लिए कानपुर से सामान खरीदकर दिया था। इस पर लगभग 23 हजार रुपये बकाया रह गए। कई बार मांगने के बाद भी रुपये न होने पर उसने रज्जन की बाइक गिरवी के तौर पर अपने पास रख ली। इसी बीच रज्जन ने बाइक वापस दिलाने के लिए थाने में तहरीर दी। प्रकाश का आरोप है कि हल्का क्षेत्र में तैनात एक सिपाही ने पहले उसे थाने में बैठाया और शुक्रवार को फिर बाइक लौटाने के लिए बुलाया। उसका कहना था कि पुलिस बकाया रकम दिलाने के बजाय उसी पर बाइक वापस करने का दबाव बना रही है। इससे परेशान होकर प्रकाश शुक्रवार को कफन लेकर थाने पहुंच गया और आत्मदाह की चेतावनी देने लगा।

गंगा पुल परियोजना के लिए मिश्रा कॉलोनी में अधिग्रहित 37 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया

उन्नाव में कानपुर-शुक्लागंज के बीच निर्माणाधीन नए गंगा पुल परियोजना के लिए मिश्रा कॉलोनी में अधिग्रहित 37 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया है। कुल 38 मकानों में से एक का ध्वस्तीकरण अभी बाकी है। अब ध्वस्त किए गए मकानों का मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। नए गंगा पुल का निर्माण कार्य इस वर्ष जनवरी में शुरू हुआ था। यह परियोजना कानपुर और शुक्लागंज दोनों छोरों पर तेजी से आगे बढ़ रही है। कानपुर की ओर सेतु निगम पिलर और पाइलिंग का कार्य युद्धस्तर पर कर रहा है। शुक्लागंज की मिश्रा कॉलोनी में पुल के एप्रोच मार्ग के लिए कुल 38 मकानों को चिह्नित किया गया था। प्रभावित मकान मालिकों को नियमानुसार मुआवजा देने के बाद पिछले महीने से मकानों को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। शुक्रवार तक 37 मकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण के बाद पूरे इलाके में फैले मलबे को हटाने का काम अब तेजी से किया जा रहा है। सेतु निगम के अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों से अपने मकानों का मलबा स्वयं हटाने को कहा है। इसके बाद कई परिवारों ने जेसीबी मशीनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से मलबा हटाना शुरू कर दिया है। लोग ईंट, सरिया और अन्य निर्माण सामग्री को सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं, ताकि भविष्य में उनका उपयोग किया जा सके।स्थानीय लोगों के सामने अब नए सिरे से आवास की व्यवस्था करने की चुनौती है। वहीं, सेतु निगम के अधिकारियों का कहना है कि मलबा हटने के बाद एप्रोच रोड और अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाएगी, ताकि परियोजना निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो सके।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण की तैयारियां अंतिम चरण

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्नाव के पड़री स्थित झाऊखेड़ा रेस्ट एरिया पहुंचेंगे। यहां तीनों नेता राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और इसके बाद एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करते हुए लखनऊ के सरोजनी नगर में आयोजित मुख्य लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे। झाऊखेड़ा रेस्ट एरिया में आयोजित प्रदर्शनी में एक्सप्रेस-वे के निर्माण, अत्याधुनिक तकनीक, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। तीनों नेता परियोजना की तकनीकी विशेषताओं की जानकारी लेने के बाद जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और एनएचएआई ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। झाऊखेड़ा रेस्ट एरिया को विशेष रूप से सजाया गया है और तीन हेलीकॉप्टरों की लैंडिंग के लिए हेलीपैड तैयार किए गए हैं। सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, वीआईपी मूवमेंट और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित विभागों को सौंप दी गई है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण कर प्रदर्शनी पंडाल, वीआईपी लाउंज, हेलीपैड और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संभावित बारिश को देखते हुए भी सभी व्यवस्थाओं को मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम से पहले एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) टीम ने आयोजन स्थल, हेलीपैड और वीआईपी रूट का गहन निरीक्षण किया। टीम में मुख्यमंत्री सुरक्षा इकाई के कमांडो, खुफिया विभाग के अधिकारी और बम निरोधक दस्ते के विशेषज्ञ शामिल रहे। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, उन्नाव में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 250 लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के बाद तीनों वीआईपी एक्सप्रेस-वे के रास्ते लखनऊ रवाना होंगे, जहां सरोजनी नगर में इसका औपचारिक लोकार्पण किया जाएगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शनिवार को उन्नाव के बीघापुर स्थित संदोही माता मंदिर पहुंचे

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि 300 से अधिक विधानसभाओं में जाकर गो माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए जन जागरण कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने वाले आज सत्तासीन है लेकिन उनके देश में गाय कट रही है। गाय सभी हिंदुओं की माता है। हिंदुओं की सरकार व हिंदू पार्टी बताने वाली सरकार के सारे लक्षण विपरीत हैं। उन्होंने ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि अनेकों बार आप लोगों द्वारा अनेक मुद्दों पर सरकार बनाई गई है लेकिन इस बार 2027 में उत्तर प्रदेश में गो माता के नाम पर सरकार बनाने के लिए वोट करे। उन्होंने अपील की हर विपरीत परिस्थिति का समाना कर 24 जुलाई को लखनऊ पहुंचे। भगवंत नगर विधानसभा में गोपाष्टमी के पूर्व गोधाम स्थापना के लिए सभी से एक रुपये से 500 रुपये तक सहयोग देने की अपील की। इसकी जिम्मेदारी सपा नेता अंकित परिहार को सौंपी। कार्यक्रम का आयोजन अंकित सिंह परिहार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वीर प्रताप सिंह, दुर्गेश सिंह यादव, गुड्डू शुक्ला, विवेक पटेल, केके द्विवेदी विजय मास्टर अतुल हनुमत सिंह, नारायण पाल, उदय प्रताप सिंह, बाराती चौधरी, पूर्व अध्यक्ष बीघापुर लाला उमानाथ ब्रजकिशोर वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में सपा की सक्रिय कार्यकर्ताओं की भारी संख्या मौजूद रही।

उन्नाव अभिनव बाजपेई का पुणे में एनडीए प्रशिक्षण के दौरान हार्ट अटैक से निधन

शुक्लागंज के नेहरू नगर के रहने वाले 18 वर्षीय अभिनव बाजपेई पुत्र प्रदीप बाजपेई का एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) में चयन हुआ था। वह पुणे खड़कवासला महाराष्ट्र में ट्रेनिंग के लिए बीती 22 जून को घर से गया था। 24 जून को उसकी ज्वाइनिंग हुई थी। जहां वह ट्रेनिंग कर रहा था।बीते शुक्रवार को सुबह लगभग आठ बजे पीटी के दौरान उसे हार्ट अटैक पड़ गया। जिससे उसकी पुणे में मौत हो गई। उसके मौत की खबर जैसे ही उसके घर नेहरूनगर पहुंची तो परिवार में चीत्कार मच गई। माता पिता व अन्य परिवारी जन पुणे महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गए। घर पर दादी शशिप्रभा का रो-रोकर बुरा हाल रहा। उनके घर मुहल्ले के लोगों व नाते रिश्तेदारों की भीड़ लग गई। हर कोई वृद्ध दादी को ढांढस बंधाता रहा।दिवंगत अभिनव परिवार में अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन अंशिका जीएसवीएम से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। अभिनव के मामा विकास ने बताया कि वह होनहार था। उसका एनडीए में सेलेक्शन हुआ था। वह केंद्रीय विद्यालय कैंट में पढ़ता था। इसी साल रिजल्ट आया था। पहले प्रयास में ही उसका एनडीए में चयन हो गया था। महाराष्ट्र के पुणे स्थित खड़कवासला में ट्रेनिंग कर रहा था। बीते शुक्रवार को सुबह पीटी करने के दौरान उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उसके पिता कानपुर के केपीएम अस्पताल में कर्मचारी हैं। मां सीमा बाजपेई गृहणी हैं। रिश्तेदार विष्णु दत्त मिश्रा ने बताया कि दिवंगत के पिता प्रदीप चार भाई हैं। जिसमें अजीत, बद्री विशाल व दीपक हैं।पिता के सभी भाइयों के बीच परिवार में वह इकलौता बेटा था।जो सभी का दुलारा था। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई को सुबह उसका शव घर पहुंचेगा। दिवंगत अभिनव की दादी का हाल बेहाल रहा। वह सभी से रोते हुए कह रही थी कि हम यह जानते कि बउआ की जान चली जाएगी, वह जिंदा वापस नहीं लौटेगा तो उसे कभी एनडीए की ट्रेनिंग में न जाने देती। वृद्ध दादी का करुण क्रंदन देख वहां मौजूद लोगों की आंखें डबडबा गईं।

वृक्षारोपण नहीं, 'भ्रष्टारोपण' का अभियान चला रही भाजपा : अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान की शुरुआत करते हुए राज्यभर में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा। इसी अभियान को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे भ्रष्टाचार से जोड़ दिया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य सरकार के वृक्षारोपण अभियान को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में हर वर्ष बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन इन अभियानों का वास्तविक उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि सरकारी धन का दुरुपयोग करना बन गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए 'वृक्षारोपण' अब 'भ्रष्टारोपण' का कार्यक्रम बन चुका है, जहां पौधों से अधिक बजट के बंटवारे पर ध्यान दिया जाता है।अखिलेश यादव की यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत प्रदेश में एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार का दावा है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, अखिलेश यादव ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वर्षों में भी करोड़ों पौधे लगाने के दावे किए गए, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति का कोई सार्वजनिक लेखा-जोखा सामने नहीं आया।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि हर वर्ष वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट जारी किया जाता है, लेकिन अभियान समाप्त होते ही लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भुला दी जाती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर होती, तो पौधों के जीवित रहने की दर, उनकी निगरानी और रखरखाव की भी नियमित समीक्षा कराती। उनके अनुसार, केवल लक्ष्य घोषित कर देना और रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करना पर्यावरण संरक्षण का स्थायी समाधान नहीं हो सकता।उन्होंने प्रदेश में पेड़ों और जंगलों की कथित अवैध कटाई का मुद्दा भी उठाया। अखिलेश यादव ने कहा कि एक ओर सरकार करोड़ों पौधे लगाने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई जारी है। इससे हरित क्षेत्र लगातार प्रभावित हो रहा है और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ रहा है। उनका कहना था कि यदि सरकार सचमुच हरित उत्तर प्रदेश बनाना चाहती है, तो उसे वृक्षों के संरक्षण और वन संपदा की सुरक्षा पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।नदियों की सफाई के मुद्दे पर भी उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन आज भी अधिकांश नदियां प्रदूषण की समस्या से जूझ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नदियों की सफाई के लिए आवंटित बजट भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया और अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। उन्होंने अपनी सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने लखनऊ में गोमती नदी की सफाई कर विश्वस्तरीय गोमती रिवरफ्रंट विकसित किया था, जो नदी संरक्षण का एक सफल उदाहरण था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार उस परियोजना का भी प्रभावी ढंग से रखरखाव नहीं कर सकी। साथ ही उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल घोषणाओं और अभियानों से नहीं, बल्कि पारदर्शी व्यवस्था, सतत निगरानी और जवाबदेही के साथ ही संभव है।

बलिया में दलित युवक की मौत के बाद घरवालों और गांववालों ने सड़क जाम कर दी

बलिया में दलित युवक की मौत के बाद घरवालों और गांववालों ने सड़क जाम कर दी। घरवालों का आरोप है कि 4 दिन पहले पुलिस उसे थाने ले गई थी। वहां उसकी जमकर पिटाई कर उसे छोड़ दिया। शाम को युवक बेहोशी की हालत में बगीचे में पड़ा मिला। घरवाले उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में BHU रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान 10 जुलाई की रात 11 बजे युवक की मौत हो गई। 11 जुलाई की रात पोस्टमॉर्टम के बाद उसका शव गांव पहुंचा। रविवार सुबह करीब 10:45 बजे गुस्साए गांववालों ने रेवती-बलिया मुख्य मार्ग जाम कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर ASP, SDM समेत 5 थानों की फोर्स पहुंची। घरवालों से बातचीत कर आधे घंटे बाद जाम खुलवाया। इसके बाद करीब 2:30 बजे घरवाले शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। इस मामले में ग्राम प्रधान, सब-इंस्पेक्टर और सिपाही समेत 6 लोगों के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज की गई है। कामजी गोंड (42) गायघाट गांव में अपने परिवार के साथ रहते थे। वह राजमिस्त्री का काम करते थे। घर में उनकी पत्नी रीमा (40) और बेटा विशाल (22) रहते हैं। कामजी के 2 भाई हैं। बड़ा भाई रामजी बाहर नौकरी करता है। दूसरे नंबर का भाई श्यामजी विकलांग है। वह कामजी के साथ घर पर ही रहता है। 7 जुलाई की शाम करीब 4 बजे कामजी का बेटा विशाल मीट खरीदने सूरज कनौजिया की दुकान पर गया था। इस दौरान दोनों में झगड़ा हो गया। सूरज और उसके रिश्तेदार विशाल को लाठी-डंडा लेकर मारने दौड़ पड़े। इस पर विशाल वहां से भाग आया। इसके बाद सूरज, ग्राम प्रधान आशुतोष शंकर सिंह उसके ड्राइवर मनीष यादव के साथ थाने पहुंचा। उसने विशाल के खिलाफ शिकायत कर दी।

बलिया में ओपी राजभर ने सपा-कांग्रेस को दी खुली चुनौती

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी बिसात अभी बिछने लगी है। इसका दृश्य आज बलिया में देखने को मिला। एनडीए के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा 27 सीट भी जीत ले यह उनकी बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने सपा और कांग्रेस दोनों दगा हुआ कारतूस बताया और दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्ष का सूपड़ा साफ होना तय है।बलिया की जनसभा में ओपी राजभर ने अपने संबोधन में अतीत का हवाला दिया और अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस और समावादी पार्टी दोनों दगे हुए कारदूत हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में दोनों मिलकर 47 सीटें जीत पाए थे। आज वही घिसी-पिटी ताकतें फिर से 2027 के चुनाव की तैयारियां कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर समाजवादी पार्टी 2027 के चुनाव में महज 27 सीटें भी जीत लेती है, तो यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।बलिया की जनसभा में ओपी राजभर ने अपने संबोधन में अतीत का हवाला दिया और अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस और समावादी पार्टी दोनों दगे हुए कारदूत हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में दोनों मिलकर 47 सीटें जीत पाए थे। आज वही घिसी-पिटी ताकतें फिर से 2027 के चुनाव की तैयारियां कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर समाजवादी पार्टी 2027 के चुनाव में महज 27 सीटें भी जीत लेती है, तो यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। बता दें कि ओम प्रकाश राजभार अक्सर अपने बयानों के चलते चर्चा में रहते हैं। हाल ही में जब शिवपाल यादव से ओम प्रकाश राजभर द्वारा लगातार अखिलेश यादव पर लगाए जा रहे आरोपों के बारे में पूछा गया तो शिवपाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उनके बोलने का कोई मतलब नहीं है। ओम प्रकाश राजभर को इलाज की जरूरत है। कोई विशेषज्ञ डॉक्टर ही उनका इलाज कर सकता है।

मथुरा में 15 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा ठगी से जुड़े म्यूल बैंक खातों का खुलासा

उत्तर प्रदेश के मथुरा में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 15 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े म्यूल बैंक खातों का बड़ा खुलासा किया है। साइबर क्राइम थाने की जांच में सामने आया कि जन कल्याण सेवा ट्रस्ट, सहयोग पब्लिक फाउंडेशन और एस एंड डी इंटरप्राइजेज के नाम पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में करंट अकाउंट खुलवाकर देशभर में साइबर ठगी से हासिल रकम इन खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। पुलिस ने मामले में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर पांच नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश और एसएसपी मथुरा श्लोक कुमार के नेतृत्व में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान साइबर क्राइम थाने के उपनिरीक्षक राजकुमार पवार ने संदिग्ध बैंक खातों की जांच की। जांच में पता चला कि वर्ष 2025 में एसबीआई की विभिन्न शाखाओं में जन कल्याण सेवा ट्रस्ट और सहयोग पब्लिक फाउंडेशन के नाम पर करंट अकाउंट खोले गए थे। पुलिस के अनुसार इन खातों का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था। इनमें देशभर के साइबर ठगी के शिकार लोगों से करोड़ों रुपये ट्रांसफर कराए गए और बाद में रकम निकालकर आर्थिक लाभ कमाया गया। जांच में सामने आया कि इन खातों में क्रमशः करीब 13 करोड़ 1 लाख रुपये, 48 लाख रुपये और 1 करोड़ 17 लाख रुपये जमा कराए गए। तीनों खातों में कुल मिलाकर लगभग 15 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की रकम पहुंची थी।